# जिनराजसूरि कृति-कुसुमांजलि

## अनुक्रमणिका


| सं० | कृतिनाम | गाथा | आदि पद | पृष्ठांक |
|---|---|---|---|---|
| **श्री वर्तमान जिन चतुर्विंशतिका** | | | | |
| १. | श्री आदिनाथ गीतम् | ५ | मन मधुकर मोही रह्यउ | १ |
| २. | श्री अजितनाथ गीतम् | ४ | तार करतार संसार सागरथकी | २ |
| ३. | श्री संभवनाथ गीतम् | ५ | विणजारा रे नायक संभवनाथ | २ |
| ४ | श्री अभिनंदन गीतम् | ५ | वेकर जोड़ी वीनवुं रे | ३ |
| ५. | श्री सुमतिनाथ गीतम् | ४ | करता सुं तउ प्रीति | ४ |
| ६. | श्री पद्मप्रभ जिनगीतम् | ५ | कागलियउ करतार भणी | ४ |
| ७. | श्री सुपार्श्व जिन गीतम् | ५ | आज हो परमारथ पायउं | ५ |
| ८. | श्री चन्द्रप्रभ गीतम् | | श्री चंद्रप्रभु पाँहुणउ रे | ६ |
| ९. | श्री सुविधिनाथगीतम् | ५ | सेवा बाहिरउ कइयइ को सेवक | ७ |
| १०. | श्री शीतल जिन गीतम् | ५ | आज लगइ घरि अधिक जगीस | ७ |
| ११. | श्री श्रेयांस जिनगीतम् | ५ | एक कनक नइ बीजी कामिनी रे | ८ |
| १२. | श्री वासुपूज्य जिनगीतम् | ५ | नायक मोह नचावीयउ | ८ |
| १३. | श्री विमलनाथ जिनगीतम् | ५ | घर अंगण सुरतरु फल्यउ जी | ९ |
| १४. | श्री अनंतनाथ गीतम् | ५ | पूजा नउ तूं वे परवाही | १० |
| १५. | श्री धर्मनाथ जिनगीतम् | ५ | भवसायर हुंती जउ हेलइ | १० |
| १६. | श्री शांतिनाथ जिनगीतम् | ५ | काल अनंतानंत भव मांहे | ११ |
| १७. | श्री कुन्थु जिन गीतम् | ५ | जिम तिम हुं आवी चढ्यउ | ११ |

१८. श्री अरनाथ जिनगीतम् ५ आराधउ अरनाथ अहानिसि १२
१९. श्री मल्लि जिन गीतम् ५ दास अरदास सी परि करइ जी १३
२०. श्रीमुनिसुव्रत जिन
गीतम् ५ अधिका ताहरा हुता अपराधी १४
२१. श्री नमिनाथ जिनगीतम् ५ सइं मुख हूँ तुम्ह नइ न मिली १४
२२. श्री नेमिनाथ जिनगीतम् ५ साँभलि रे सांमलीआ सामो १५
२३. श्री पार्श्वनाथ जिन
गीतम् ५ मन गमतउ साहिव मिल्यउ १६
२४. श्री वीर जिन गीतम् ५ भविक कमल प्रतिबोधतउ १६
२५. कलश ५ इणपरि भाव भगति मन आणी १७

## श्री विहरमान विंशति जिन गीतम्

२६. श्री सीमंधर जिनगीतम् ५ मुझ हियड़उ हेजालुयउ १८
२७. श्री युगमन्धर जिन
गीतम् ५ सइ मुख हुँ न सकूं कही १८
२८. श्री बाहु जिन गीतम् ५ बांह समापउ बाहु जी १९
२९. श्री सुबाहु जिनगीतम् ६ सामि सुबाहु जिणिंद नउ १९
३०. श्री सुजात जिनगीतम् ५ तूं गति तूं मति तूं साचउ धणी २०
३१. श्री स्वयप्रभ जिनगीतम् ५ सामि स्वयं प्रभू साँभलउ २१
३२. श्री ऋषभानन जिन
गीतम् ६ मइं तउ ते जाण्यउ नही साहिव २१
३३. श्री अनतवीर्य जिन
गीतम् ५ अनंतवीरिज मइ ताहरउ २२
३४. श्री विशाल जिन
गीतम् ५ आपणपइ हूँ आवी न सकूं २२
३५. श्री सूरप्रभ जिन
गीतम् ५ कीजइ छइ जेहना सहू जी २३

३६. श्री वज्रधर जिन
गीतम् ५ एक सबल मनउ धोखउ टल्यउ ४१
३७. श्री चंद्रानन जिनगीतम् ५ समाचारी जूजूई रे २५
३८. श्री चंद्रबाहु जिनगीतम् ५ जोवउ म्हारी आई इण दिसि
चालतउ हे २५
३९. श्री भुजंगम जिन
गीतम् ५ सामि भुजंगम ताहरउ २६
४०. श्री नेमि जिनगीतम् ५ नेमि प्रभु माहरो वीनती जी २६
४१. श्री ईश्वर जिन
गीतम् ५ ईसर जिन वइरागियउ २७
४२. श्री वीरसेन जिन
गीतम् ५ मुझ नइ हो दरसण न्यया न तूं
दीयइ हो २७
४३. श्री देवजस जिनगीतम् ५ सइं मुख साहिब नइं मिल्या २८
४४. श्री महाभद्र जिन
गीतम् ५ लहि मानव अवतार ४८
४५. श्री अजितवीर्य
जिन गीतम् ५ मिलि आवउ रे मिलि आवउ रे २९
४६. श्री वीस विहरमाण
जिग गीतम् ५ वीस जिणेसर जगि जयवंता ३०

## श्री ऋषभादि तीर्थङ्कर गीत

४७. श्री ऋषभदेव बाल-
लीला स्तवन ११ मन मोहन महिमानिलउ रे ३१
४८. श्री ऋषभ जिनकर
संवाद ८ रिषभ जिन निरसन रान विहारी ३२
४९. श्री विमलाचल
आदीश्वर स्तवन ११ श्री 'विमलाचल' सिरतलउ ३३

५०. श्री शत्रुञ्जय
तीर्थ स्तवन ७ साँभलि हे सखि सांभलि मोरी ३४
५१. श्री शत्रुंजय तीर्थ
स्तवन ५ मन मोह्यउ हे सखी गरुयइ ३५
५२. श्री विमलगिरि
वधामणा गीतम् ३ भाव धरि धन्य दिन आज ३६
५३. श्री विमलाचल
यात्रा मनोरथ गीत ६ वरग विछोहउ परिहरी ३६
५४. श्री विमलाचल विधि
यात्रा गीत ७ सुण सुण बीनतडी प्रिउ मोरा ३७
५५ श्री शत्रुञ्जय यात्रा
मनोरथ गीत-अपूर्ण—सखी आँणुं हे नालेर ३८
५६ श्रीआलोयणा गर्भित
श्री शत्रुंजय स्तवनम् २७ कर जोड़ी इम वीनवु ३८
५७. श्री आबू तीर्थ
स्तवनम् ७ सुकलीणी प्रिउ नइ कहइं ४१
५८. श्री गिरनागर तीर्थ
यात्रा स्तवन ७ मोरी वहिनी हे वहिनी म्हारी ४२
५९. श्री वीकानेर मण्डन
चौवीसटा आदिनाथ गीतम् ३ चालउ हिव चउवीसटइ ४३
६०. श्री वीकानेर मंडन
सुमतिनाथ गीतम् ५ चउमुख तीन त्रिभूमिया ४४
६१. श्री वासुपूज्य स्तवनम् ६ बहिनी एक वयण अवधारउ ४४
६२ श्री वीकानेर मंडन
,, नमिनाथ स्तवनम् ५ श्री नमिनाथ जुहारियइ ४५
६३ श्री नेमिनाथ
चतुर्भासकम् ४ आवण मइ प्रीयउ स भरइ ४५

६४. श्री नेमिनाथ गीतम् ५ तउ तुम्ह तारक यादुराय ४६
६५. श्री नेमि राजीमती
वियोग सूचक गीतम् ३ मेरइ नेमिजी इक सयण ४७
६६. श्री लौद्रवपुर पार्श्व-
नाथ स्तवनम् ७ 'लोद्रपुर' पास प्रभु भेटीयइ ४७
६७. श्री लौद्रवपुर पार्श्वनाथ
गीतम् ७ आज नइ वधावउ हे सहीअर ४८
६८. श्री गौड़ी पार्श्वनाथ
स्तवन ७ वालेसर मुझ वीनती 'गउड़ेचा'
राय ४९
६९. श्री अमीझरा
पार्श्वनाथ गीत ९ परतखि पास अमीझरइ ४९
७०. श्री-संखेश्वर
पार्श्वनाथ गीतम् ५ करिवउ तीरथ तउ मूंकी रथ ५०
७१. श्री संखेश्वर
पार्श्वनाथ गीत ४ पासजी की मूरति मों मन भाई ५१
७२. श्री सहसफणा
पार्श्वनाथ गीतम् ६ देखउ माई पूजा मेरे प्रभु की ५१
७३. श्री वाड़ी पार्श्वनाथ
गीतम् ५ मेलिज जमक सव गावा तरसइ ५२
७४. श्री चिंतामणि
पार्श्वनाथ गीतम् ८ नील कमल दल साउली ५३
७५ श्री गुणस्थान विचार
गर्भित पार्श्वनाथ स्तवन १९ नमिय सिरिपास जिण सुजण ५४
७६. श्री विक्रमपुर मंडन
वीर जिन गीतम् ५ भाव भगति धरि आवउ सहिअरि ५८
७७. श्री वीर जिनगीतम् ३ हम तुम्हे 'वीरजी' क्यु प्रीति ५८

७८. श्री वीर जिनगीतम्, ३ वीरजी' उत्तम जन की रीति न कीनी ५६
७६. श्री वीर जिनगीतम्, ३ साहिब 'वीरजी' हो मेरी तनुकि ५६
८०. श्र जिन प्रतिमा सिद्धि वीर स्तोत्रम्, १५ भविअ जणा नयणा वणसंड पड़िबोहगं ५६
८१. श्री जिनदेव गीतम्, ३ लीनउ री मो मन जिन सेती ६२
८२. श्री प्रभु भजन प्रेरणा ३ कवहूँ मइ नीकइ नाथ न ध्यायउ ५२
८३. श्री नवपद स्तवन १५ दस दृष्टाते दोहिलउ ६३
८४. दादा श्रीजिनकुशल सूरि स्तवन ६ जी हो घन वेला घन साघड़ी ६५
८५. श्रीजिनकुशल गुरुणां गीतम्, ४ जपउ कुशलगुरु नाम निसि वासरइ ६६
८६. ,, ,, ३ 'कुशल'गुरु अब मोहे दरसण दीजइ६६
८७. श्री भणशाली थिरु गीतम्, ८ संघवी तूं कालयुगि सुरतरु ६७
८८. श्री शालिभद्र गीतम्, १७ मुनिवर विहरण पाँगुरया जी ६८
८६. श्री अरहन्नक साधु गीतम्, १४ नवलउ नवलइ वेस ७०
६०. श्री वइरकुमार गीतम् १० मइ दस मासि उर्यरि घरथउ घोटा ७१
६१. श्री अइमत्ता ऋषि गीतम्, १० दीठा गोयम गोचरी जी ७२
६२. श्री सनत्कुमार मुनि गीतम्, ७ जी हो सोहम इंद प्रसंसियउ ७३
६३. श्री बा वली गीतम्, ११ पोतइ जइ प्रतिबूझवउ ७४

९४. श्री नंदिषेण गीत १० साधुजी न जइयइ जी पर घर एकला ७५
९५. श्री गजसुकुमाल मुनि गीतम् ९ स वेग रस माहि झीलतउ ७६
९६. श्री स्थूलिभद्र गीतम् ३ थूलिभद्र न्यारी भाँति तिहारी ७७
९७. श्री विजय सेठ विजया सेठानी गीतम् ३ आली धन वो प्रिय धन वा प्यारी ७७
९८. श्री दमयन्ती सती गीतम् ११ छोड़ि चल्यउ 'नलराइ' ७८
९९. श्री सती कलावती गीतम् ९ बांहे पहिरया बहरखा ७९
१००. श्री मयणरेहा सती गीतम् ७ लघु बांधव जुगबाहु नइ रे हां ८०
१०१ श्री सीता सती गीतम् ५ जब कहइ तुझ वनवास रे ८१
१०२. श्री सती सीता गीतम् ९ लखमणजी रावीर जी हो जीवन ८२

## रामायण सम्बन्धी पद

१०३. मंदोदरी वाक्यम् ३ मंदोदरी बार वार इम भाखइ ८४
१०४. मंदोदरी वाक्यम् ३ आज पीउ सुपनइ खरी डराई ८४
१०५. मंदोदरी वाक्यम् ३ सीय की भीर रघुवीर घायउ ८५
१०६. सीता विरह ३ सीय सीय करत पीय ८५
१०७. राम वाक्यं सुभटानाम् ६ असुरपति आपणि कमाई तइं ८६
१०८. हनुमंत वाक्यम् ३ जु कछु रघु राम कहइ सोऊ करिहुं ८६

१०६. पुनः हनुमंत
वाक्यं रामचंद्र प्रति ३ जउ पइ होवत राम रजारी ८७
११०. मंदोदरी वाक्यम् ३ आज पिउ सोवत रयणि गई ८७
१११. रावण प्रति
सीता वाक्यम् ३ हरि कउ नाम लइ दसकंध ८८
११२. अहनुमंत प्रति
सीता वाक्यम् ३ आगइ आइ ठाढउ रहयउ वनचर ८८
११३. विभीषण वाक्यम् ३ कहत अइसी भाति विभीषण
भ्रात ८८
११४. पुनः विभीषण
वाक्यम् ३ निपट हठ झालि रहयउ बेकाम ८९

## आत्म-प्रबोधक गीत

११५. मोह बलवंत
गीतम् ७ मोह महा बलवंत ८९
११६. वैराग्य गीत ७ सुख लोभी प्राणी साँभलउ जी ९०
११७. पंचेन्द्रिय गीत ७ सुर नर किन्नर राय आज्ञा हो ९१
११८. निंदावारक गीत ७ सुणहु हमारी सीख सयाणे ९२
११९. आत्मशिक्षा
( विणजारा ) गीत ८ विणजारा रे वालंभ सुणि ९३
१२०. आत्मशिक्षा गीत ५ इक काया अरु कामिनी परदेसी रे ९४
१२१. आत्मशिक्षा गीत ३ जीवन मेरे यहु तेरउ कउण विसेस ९५
१२२. सीखामण गती ७ घर छोड़ि परदेसि भमइ ९६
१२३. जकड़ी गीत ३ मेरउ नाह निहेरउ ९६
१२४. आत्म-प्रबोध जकडी
गीत ३ हमारइ माई कंत दिसावर कीनउ ९७
१२५. आत्म प्रीतम गीत ३ यव तुम्हे ल्यावउ माई री ९७

| | | | |
|---|---|---|---|
| १२६. आत्मा देह संबंध | ३ | विदेशी मेरे आइ रहे घर माँहि | ९७ |
| १२७. परमारथ पिछानो | ६ | तू भ्रम भूलउ रे आतम हित न करइ | ९८ |
| १२८. 'जागउ' प्रेरणा | ५ | सोवन की वरीयाँ नाही बे | ९८ |
| १२९. जीव शिक्षा | ३ | मेरउ जीव परभव थी न डरइ | ९९ |
| १३०. परदेशी गीत | ५ | परदेशी मीत न करीयइ री | ९९ |
| १३१. आत्म शिक्षा | ५ | भ्रम भूलउ ता वहुतेरउ रे | १०० |
| १३२. परमार्थ-साधन जकड़ीं गीत | ३ | रे जीउ आपणपउ अब सोच | १०० |
| १३३. किण हू पीर न जाणी | ३ | पिउ कइ गवरिण खरी अकुलाणी | १०१ |
| १३४. पिउ-पाहुणो | ३ | जब जाण्यउ पीउ पाहुणउ | १०१ |
| १३५. आत्म प्रवोध तेरा कौन ? | ३ | जीउ रे चाल्यउ जात जहान | १०२ |
| १३६ स्पर्धा | ३ | कहा कोउ होर करउ काहू की | १०२ |
| १३७. जकड़ी गीत देह चेतन-वृत्ति | ५ | लालण मोरा हो, जोवन मोरा हो | १०२ |
| १३८. पंचरग काचुरी देह | ४ | पंचरंग काचुरी रे वदरग तोजइ घोइ | १०३ |
| १३९. जाति-स्वभाव अज्ञानो शिक्षा | ३ | कहा अज्ञानो जीउ कुं रुगु ज्ञान | १०३ |
| १४०. परमार्थ अक्षर | ३ | तुम्ह पइ हइ ज्ञानी कउ दावउ | १०४ |
| १४१. जकडी गीत वहाँ की खवर | ३ | मेरे मोहन अब कुण पुरी वसाई | १०४ |
| १४२. परदेशी प्रीति | ३ | कवहुँ न करिरी माई मीत विदेसी | १०४ |

१४३. पश्चाताप ३ आली प्रीउ की पतयाँ हम न बची १०५
१४४. साँइ नाम संभारो 'भव भ्रमण' ३ आली मत आपउ परवसि पारइ १०५
१४५. आतम प्रवोध ३ हिलि मिलि साहिब कउ जस वाचउ १०६
१४६. झूठी दिलासा ३ बउरे मास वरस हुँ बउरे १०६
१४७. आत्म प्रवोध, सुख-दुख ३ रे जीउ काहइ कुं पचताबइ १०७
१४८. मन शिक्षा, घडी मे घडियाल ३ मन रे तूं छोरी माया जाल १०७
१४९. अस्थिर जग, श्वास का विश्वास ? ३ कइसउ सास कउ वेसास १०७
१५०. कोई जामिन नही ३ रे जीब काहइ करत गुमान १०८
१५१. कामिन गीतम् मदन का तौर ३ अब हइ मदन नृपति कउ जोरो १०८
१५२. भ्रम-भ्रमण, भ्रम मे भूला ३ अपनउ रूप न आप लहइरी १०८
१५३. धर्म मर्म, परम- पुरुष कुण पावत ? ३ कऊण धरम कउ मरम लहइरी १०९
१५४. काल का हेरा, ममता निवारण ३ रे मन मूढ म कहि गृह मेरउ ११०
१५५ परदेशी किसके वश ? जकडी गीत ७ उण मीत परदेसी बिना मोहि ११०
१५६ आतम काया गीत ७ सुणि बहिनी प्रिउड़उ परदेशी १११
१५७. देह गर्व परिहार, आखिर छार है ३ इया देही कउ गरव न कीजइ ११२

१५८. आत्म प्रबोध,
कौन तेरा ? ३ तूं तउ घरउ आज अयान ११२
१५९. शील बत्तीसी ३२ सील रतन जतने करि राखउ ११२
१६०. कर्म बत्तीसी ३२ करम तणी गति अलख अगोचर ११६
१४१. शालिभद्र धन्ना
चौपाई ढाल २६ सासण नायक समरीयै १२०
१६२. श्री गजसुकमाल
महामुनि चौपई ढाल ३० नेमीसर जिनवर तणा १६२
१६३. तीर्थराज गीतम् ६ पगि पगि आव्या समरता २१८
१६४ तीर्थ यात्रा मार्ग
निरूपकं गीतम् १४से १६ सखि भोजिग भाट चारण २१८
१६५ सुदर्शन सेठ सज्झाय १६ जी हो कूड कपट तिहाँ केलवी २१९
१६६. श्री जिनसिंहसूरि गीतम् ५ श्री जिनसिंहसूरीश्वर गुरु
प्रतपउ २२०
१६७. श्री जिनसिंहसूरि
द्वादशमास ढाल ४ पुरसादाणी पास जिण २२१
१६८. अमीजरा पार्श्वनाथ
स्तवन गा. ७ परतखि पास अमीझरउ
परिशिष्ट जिनराजसूरि रास जयकीर्ति रचित २२५